31. रचनात्मक अभिव्यक्ति

रचनात्मकता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यक है। हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति द्वारा छात्रों की आंतरिक रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रकाश में लाने का अवसर दिया जाता है। प्रत्येक छात्र के अंदर कुछ अलग या कुछ नया करने की ललक होती है। रचनात्मक अभिव्यक्ति एक कला है जिसके द्वारा छात्रों की इसी कला को उभारने का प्रयास किया जाता है। इसमें भिन्न-भिन्न प्रकार की विधाएँ शामिल की जाती हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से पूछें, वे रचनात्मक अभिव्यक्ति से क्या समझते हैं तथा उन्हें किस प्रकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति पसंद है।
- ❖ बताएँ, रचनात्मक कला की अभिव्यक्ति मौखिक तथा लिखित दोनों प्रकार से की जाती है।
- ❖ मौखिक अभिव्यक्ति वाचन कौशल पर आधारित होती है।
- ❖ छात्रों को आशुभाषण, कविता वाचन, कथा, कहानी अथवा घटना सुनाना, संवाद वाचन आदि मौखिक अभिव्यक्तियों का बारंबार अभ्यास करवाएँ।
- ❖ समझाएँ, मौखिक अभिव्यक्ति के लिए शुद्ध उच्चारण तथा भावों के उतार-चढ़ाव का उचित आरोह-अवरोह आवश्यक है, जिसमें निरंतर अभ्यास से कुशलता प्राप्त की जा सकती है।
- ❖ लिखित अभिव्यक्ति के अंतर्गत छात्रों को प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लेखन, कविता लेखन तथा नारा लेखन आदि के बारे में समझाएँ तथा इनका अभ्यास करवाएँ।
- ❖ बताएँ, लिखित अभिव्यक्ति में शुद्ध लेखन के साथ-साथ संक्षिप्त एवं सटीक लेखन आवश्यक होता है।

साक्षात्कार

साक्षात्कार से तात्पर्य है कि एक व्यक्ति द्वारा अन्य व्यक्ति से बातचीत के माध्यम से उसकी योग्यता और ज्ञान आदि के बारे में जानकारी लेना। अंग्रेज़ी में इसे 'इंटरव्यू' कहते हैं। यह उद्देश्यपूर्ण होता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को साक्षात्कार के बारे में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ छात्रों को साक्षात्कार की परिभाषा याद करवाएँ।
- ❖ साक्षात्कार की विशेषताओं से अवगत करवाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए गए साक्षात्कार के प्रकारों के बारे में बताएँ।
- ❖ छात्रों को पाठ पृष्ठ पर साक्षात्कार के उदाहरण पढ़वाएँ।
- ❖ समाचार पत्रों या पत्रिकाओं में छपने वाले साक्षात्कार पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
- ❖ दिया गया अभ्यास करवाएँ तथा आवश्यकतानुसार सहायता करें।

वाद-विवाद

वाद-विवाद किसी विषय पर चर्चा करने की एक औपचारिक विधि है। इसमें दो विपरीत विचारों के व्यक्ति किसी विषय पर अपने-अपने विचारों का समर्थन करते हुए तर्क करते हैं। आमतौर पर वाद-विवाद सार्वजनिक बैठकों या शैक्षणिक संस्थानों में किया जाता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को वाद-विवाद के बारे में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ वाद-विवाद की परिभाषा बताएँ तथा याद करवाएँ।
- ❖ छात्रों को बताएँ कि वाद-विवाद करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिया गया उदाहरण पढ़वाएँ।
- ❖ कक्षा में दो छात्रों से किसी विषय पर वाद-विवाद करवाएँ। सभी छात्रों को वाद-विवाद करने का अवसर दें।
- ❖ यह सुनिश्चित करें कि छात्रों को विषय भली-भाँति समझ आ गया है।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिया गया अभ्यास करने में यथासंभव सहायता करें।